भारत - बुल्गारिया संबंध

द्विपक्षीय राजनीतिक संबंध

भारत और बुल्गारिया के बीच संबंध स्थायी, गर्मजोशीपूर्ण एवं मैत्रीपूर्ण हैं। दोनों देश, जो प्राचीन सभ्यताएं हैं, अपनी अपनी भव्य सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते हैं। दोनों देशों के बीच जन दर जन संपर्क एवं सांस्कृतिक संबंध 1954 में राजनयिक संबंधों की स्थापना से पहले से चले आ रहे हैं तथा दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्कों के प्रमाण 18वीं शताब्दी में भी मिलते हैं।

द्विपक्षीय उच्च स्तरीय यात्राओं में उप राष्ट्रपति डा. एस राधाकृष्णन (1964), प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी (1967), राष्ट्रपति वी वी गिरि (1976), राष्ट्रपति संजीव रेड्डी (1980), प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी (1981), उप राष्ट्रपति आर वेंकट रमन (1985), राष्ट्रपति एस डी शर्मा (1984), उप राष्ट्रपति कृष्ण कांत (2000) और राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम (2003) की यात्राएं शामिल हैं। बुल्गारिया की ओर से उनके राष्ट्रपतियों ने 1976, 1983 एवं 1998 में भारत का दौरा किया तथा उनके प्रधानमंत्रियों ने 1974 और 1980 तथा 2007 में भारत की यात्रा की।

पिछले छः दशकों में दोनों देशों में राजनीतिक परिवर्तनों के बावजूद दो स्वतंत्र राष्ट्र - राज्य के रूप में भारत और बुल्गारिया ने घनिष्ठ, मधुर एवं बहुआयामी संबंध का विकास किया है। बहुआयामी संबंध सततता एवं परस्पर सूझबूझ के आधार पर मजबूत हुए हैं तथा घनिष्ठ मैत्री के रूप में उत्तरोत्तर विकसित हुए हैं।

महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संधियां एवं करार

दोनों देशों ने अनेक क्षेत्रों में करारों पर हस्ताक्षर किया है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं : पर्यटन पर करार; दोहरे कराधान के परिहार पर करार; संगठित अपराध, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद तथा स्वापक पदार्थों एवं मनः प्रभावी पदार्थों के दुर्व्यापार के खिलाफ पर सहयोग पर करार; विदेश कार्यालय परामर्श पर प्रोटोकॉल; द्विपक्षीय निवेश संवर्धन एवं संरक्षण करार; वायु सेवा करार; रक्षा सहयोग करार; विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी करार; प्रत्यर्पण संधि; युवा कार्यक्रम एवं खेल में सहयोग के लिए करार; सूचना प्रौद्योगिकी पर करार; आर्थिक सहयोग के लिए करार; अपराधिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता पर संधि; असैन्य एवं वाणिज्यिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता पर संधि; सजायाफ्ता व्यक्तियों के हस्तांतरण पर संधि; निवेश संवर्धन एवं संरक्षण के लिए करार को संशोधित करने के लिए प्रोटोकॉल; श्रम संबंधों पर मंशा प्रोटोकॉल; रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा करार; लघु एवं मध्यम उद्योग विकास करार; राजनयिक एवं आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा की आवश्यकता से छूट के लिए करार; विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में

सहयोग कार्यक्रम तथा स्वास्थ्य एवं दवा के क्षेत्र में सहयोग के लिए करार और विज्ञान, शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग के लिए कार्यक्रम।

द्विपक्षीय वाणिज्यिक एवं आर्थिक संबंध :

दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश संबंध पिछले कुछ वर्षों से उत्थान पर है, हालांकि वर्तमान स्तर साधारण है। तथापि बुल्गारिया के भू सामरिक लोकेशन, ई यू सदस्यता तथा भारत के मजबूत आर्थिक विकास एवं प्रोफाइल को देखते हुए अभी भी ऐसे अनेक क्षेत्र हैं जिनका अभी तक दोहन नहीं हुआ है। बुल्गारिया के साथ हमारा द्विपक्षीय व्यापार भारत के परंपरागत निर्यात बास्केट को दर्शाता है जो आज के भारत की सच्ची निर्यात प्रोफाइल को प्रतिबिंबित नहीं करता है। कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, आई टी, भेषज पदार्थ, विनिर्माण, पर्यटन एवं निर्माण के क्षेत्रों में निवेश के लिए परस्पर लाभप्रद अवसर मौजूद हैं।

भारतीय फर्म "एल्डर फर्मास्युटिकल्स" ने 2007 में प्लोवडिव में "बायो मेडा" नामक फर्मास्युटिकल कंपनी में 50 प्रतिशत से अधिक शेयर प्राप्त किया। वर्ष 2014 में, "मेक इन इंडिया" पहल के तहत भारत में बुल्गारिया की ओर से पहला बड़ा निवेश भिवंडी, महाराष्ट्र में बिटुमन की पैकेजिंग के लिए बुल्गारिया की प्राइम पेट्रोलियम नामक कंपनी द्वारा किया गया। कृषि, आई टी, खाद्य प्रसंस्करण, भेषज पदार्थ, मनोरंजन आदि जैसे क्षेत्रों में भारत और बुल्गारिया की कंपनियों द्वारा निवेश का स्तर साधारण है।

2014 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 218.3 मिलियन अमरीकी डालर (बुल्गारिया का निर्यात 64.9 मिलियन अमरीकी डालर और आयात 153.4 मिलियन अमरीकी डालर) था तथा जनवरी से नवंबर, 2015 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 208.77 मिलियन अमरीकी डालर (बुल्गारिया का निर्यात - 147.07 मिलियन अमरीकी डालर और आयात 61.70 मिलियन अमरीकी डालर) था। वर्ष 2012 एवं 2014 के मध्य द्विपक्षीय व्यापार में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई, जबकि वर्ष 2000 में 15.8 मिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर वर्ष 2014 में 218.3 मिलियन अमरीकी डालर हो गया है और इस प्रकार इसमें कई गुना वृद्धि हुई है। वर्तमान द्विपक्षीय व्यापार बास्केट का विस्तार करने तथा आयात एवं निर्यात की विद्यमान मदों की मात्रा बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

भारत की ओर से बुल्गारिया को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से जैविक रसायन, मेडिकामेंड, गैर विनिर्मित तंबाकू, इलेक्ट्रिक पार्ट, ऊन, पेविंग ब्लॉक, स्लैब, ईंट, पोलीथिन के पोलीमर, फेरो अलाय आदि शामिल हैं।

बुल्गारिया से भारत में जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से प्रयोगशाला इंस्ट्रूमेंट एवं औजार, पशु आहार, क्राफ्ट पेपर, रेडियो प्रसारण के उपकरण; एल्युमिनियम वेस्ट एवं स्क्रैप, मेडिकामेंट, रबर या प्लास्टिक के लिए मशीनरी, कॉपर वेस्ट एवं स्क्रैप, इंजन एवं मोटर शामिल हैं।

दूतावास की पहल के तहत बुल्गारिया की प्रतिष्ठित कंपनियों की भागीदारी के साथ भारत - बुल्गारिया व्यवसाय चैंबर का गठन किया गया है। इस चैंबर के पंजीकरण के लिए अनुमोदन सितंबर 2015 में प्राप्त हुआ। उम्मीद है कि यह चैंबर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को प्रोत्साहित करने के लिए गतिविधियों का नियमित रूप से संचालन करेगा।

पर्यटन ऐसा क्षेत्र है जिसमें दोनों देशों के लिए संभावनाएं मौजूद हैं। अपने सुंदर पहाड़ों, काला सागर तट तथा फिल्मों की शूटिंग के लिए अच्छी सुविधाओं, प्रतिभावान तकनीकी क्रू तथा किफायती लागत की वजह से बुल्गारिया भारतीय फिल्म उद्योग के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभर रहा है। वर्ष 2014 में इस देश के विभिन्न स्थानों पर 3 तेलुगू फिल्मों की व्यापक शूटिंग हुई थी। बुल्गारिया के लिए पर्यटन यात्रा को बढ़ावा देने हेतु एक महत्वपूर्ण बाजार के रूप में भारत की पहचान की गई है। बुल्गारिया सरकार द्वारा इस रूझान का स्वागत किया गया है क्योंकि वे भारत से पर्यटकों के प्रवाह को बढ़ाने के पक्ष में हैं। बुल्गारिया में बड़े बजट की दो भारतीय फिल्मों अर्थात बाहुबली एवं दिलवाले की शूटिंग के साथ 2015 एक ऐतिहासिक वर्ष था।

बुल्गारिया ने पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए भारत को प्राथमिकता बाजार के रूप में चुना है। पहले अंतर्राष्ट्रीय गोल्फ टूर्नामेंट के आयोजन के साथ 2015 में भारतीय गोल्फ खिलाड़ियों को बुल्गारिया की ओर आकर्षित करने के लिए एक पहल शुरू की गई जिसमें भारत के मशहूर गोल्फ खिलाड़ी शिव कपूर को शामिल किया गया।

सांस्कृतिक संबंध तथा जन दर जन संपर्क

हालांकि कई शताब्दियों से बुल्गारिया की भारत में रुचि मौजूद थी, 19वीं शताब्दी में बुल्गारिया के क्रांतिकारी गोर्गी राकोवस्की ने 1857 में आजादी के लिए भारत के पहले युद्ध के अवसर पर भारत के लोगों के लिए समर्थन एवं सहानुभूति व्यक्त की।

1926 में जब रवीन्द्र नाथ टैगोर ने बुल्गारिया का दौरा किया था तभी से बुल्गारिया में भारतीय संस्कृति बहुत लोकप्रिय है, जो दोनों देशों के बीच साहित्यिक संबंध विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील पत्थर था। रामायण, महाभारत, वेद, उपनिषद, भागवत गीता, पंचतंत्र जैसे भारतीय प्राचीन ग्रंथ तथा प्रेमचंद, मुल्कराज आनंद एवं अमृता प्रीतम जैसे आधुनिक लेखक बुल्गारिया के लोगों में बहुत लोकप्रिय हैं। बुल्गारिया के कुछ प्रख्यात कवियों जैसे कि हृस्टो बोटेव, हृस्टो स्माइरेंस्की और निकोला वाप्तसारोव का भारतीय भाषाओं में बड़े स्तर पर अनुवाद कराया गया है।

अनेक योग केन्द्रों की मौजूदगी, बुल्गारियन में डब किए गए हिंदी सीरियल का दैनिक प्रसारण, भारतीय व्यंजनों, सगीत एवं नृत्य की लोकप्रियता तथा पर्यटकों की संख्या में वृद्धि इस बात के संकेत हैं कि बुल्गारिया के लोगों की भारत के योग, आयुर्वेद, बालीवुड

फिल्मों एवं आध्यात्मिक विरासत में गहरी रुचि बढ़ रही है। बुल्गारिया के 9 शहरों (सोफिया, प्लोवदिव, स्विलेनग्राड, बुरगास, वार्ना, रूसे, वेलिको, टरनोवो, गैबरोवो तथा पेरनिक) में 21 जून 2015 को पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया तथा इस कार्यक्रम में लगभग 9000 लोगों ने भाग लिया।

सोफिया विश्वविद्यालय में इसके पूर्वी भाषा एवं संस्कृति केन्द्र के अंदर एक इंडोलॉजी विभाग है। वर्ष 2013 में अपनी स्थापना के 30 साल पूरा करने वाला यह विभाग भारतीय भाषाओं, दर्शन, इतिहास एवं संस्कृति के बारे में बुल्गारिया में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रम चलाता है तथा इस विभाग के कुछ छात्र हर साल हिंदी सीखने के लिए आगरा स्थित केन्द्रीय हिंदी संस्थान में आते हैं। इंडोलॉजी विभाग द्वारा "भारत एक अनुभव" नामक एक वित्तचित्र का निर्माण किया गया जिसमें पिछले 3 दशकों में इस विभाग के विकास एवं भारत के योगदान का वर्णन है।

भारतीय दूतावास की सहायता से भारतीय संस्कृति का प्रचार प्रसार करने के काम में भारत से संबंधित चार मैत्री / सांस्कृतिक सोसाइटी काम कर रही हैं - भारत मैत्री क्लब, ईस्ट - वेस्ट इंडोलॉजिकल फाउंडेशन, यूनेस्को क्लब ऑफ वर्ना और नमस्ते बुल्गारिया। दोनों देशों के बीच सद्भाव एवं मैत्री में योगदान देने वाले कुछ अन्य कारक इस प्रकार हैं : सोफिया विश्वविद्यालय के इंडोलॉजी विभाग में हिंदी के विजिटिंग चेयर दिल्ली विश्वविद्यालय में बुल्गारियन के हिंदी चयेर; सोफिया में इंदिरा गांधी हाई स्कूल; प्रवेट्ज में इंदिरा गांधी किंडर गार्डन और दिल्ली में गोर्गी स्टोइकोव राकोवस्की सर्वोदय कन्या विद्यालय।

2015 में बुल्गारिया के विभिन्न शहरों में अनेक सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया है। इनमें से प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं : स्वाति तिवारी एण्ड ग्रुप द्वारा कथक नृत्य, निवेदिता बाडवे द्वारा भरतनाट्यम नृत्य, "कल्पना - चित्रमय भारतीय समकालीन पेंटिंग के मास्टर पीस" की प्रदर्शनी तथा विश्व हिंदी दिवस, दीवाली एवं आई टी ई सी दिवस का आयोजन।

भारत सरकार बुल्गारिया के नागरिकों को आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत छात्रवृत्तियों की पेशकश करती है। बुल्गारिया के राजनयिक विदेश सेवा संस्थान द्वारा आयोजित विदेशी राजनयिकों के लिए पेशेवर पाठ्यक्रमों में भाग लेते हैं।

भारतीय समुदाय

एक अनुमान के अनुसार बुल्गारिया में भारतीय समुदाय के व्यक्तियों की संख्या 250 के आसपास है। भारतीय समुदाय में एक बड़ा हिस्सा भारत के उन छात्रों का है जो सोफिया विश्वविद्यालय, प्लेवेन विश्वविद्यालय, प्लोवडिव विश्वविद्यालय और स्टारा जगोरा विश्वविद्यालय के चिकित्सा संकायों में चिकित्सा पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कर रहे हैं। कुछ

भारतीय व्यापार, रेस्टोरेंट, निजी रोजगार आदि में लगे हुए हैं। आई टी कंपनियों के कुछ प्रतिनिधि हैं जो बैंकों एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए साफ्टवेयर विकसित करने के लिए यहां अस्थायी प्रतिनियुक्ति पर आए हैं।

भारत के साथ हवाई संपर्क :

भारत और बुल्गारिया के बीच कोई सीधा हवाई संपर्क नहीं है। वियना, फ्रैंकफर्ट, लंदन, मास्को, इस्तांबुल और दोहा के माध्यम से अप्रत्यक्ष संपर्क मौजूद हैं।

स्चेंजेन वीजा धारक

बुल्गारिया सरकार ने 25 जनवरी 2012 को यह निर्णय लिया कि जब तक स्चेंजेन क्षेत्र पर बुल्गारिया का पूरी तरह कब्जा नहीं हो जाता है, यह देश एक पक्षीय रूप से मान्य स्चेंजेन वीजा धारकों के लिए वीजा रहित विनियमों को लागू करेगा। इस निर्णय के अनुसार मान्य, अनेक प्रवेश वाले स्चेंजेन वीजा धारक बुल्गारिया के वीजा के बगैर इस देश में पहले प्रवेश की तिथि से प्रत्येक छः माह की अवधि के अंदर तीन माह तक की अवधि के लिए बुल्गारिया में प्रवेश कर सकते हैं और रह सकते हैं। एकल प्रवेश वीजा धारकों तथा स्चेंजेन वीजा धारकों जिन्होंने पूरी तरह इसका उपयोग किया है, को बुल्गारिया में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, सोफिया की वेबसाइट :
http://www.indembsofia.org
भारतीय दूतावास, सोफिया का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/indianembassy.sofia

***

जनवरी, **2016**